HINDI

(DSC)

हिंदी साहित्य का इतिहास:आदिकाल और मध्यकाल

MJ-T5-HIN-101 (L-5, P-0, T-1)
CREDIT-5, Total Marks-100 (Theory=70 +Internal=30)

Unit No.	Course Outcome	Bloom's taxonomy level
प्रथम इकाई	हिंदी साहित्य के इतिहास परंपरा को जानना एवं काल विभाजन का ज्ञान प्रदान करना । आदिकाल की प्रयोजनीयता एवं ऐतिहासिक महत्व को जानना	स्मरण, अधिगम और प्रयोग
द्वितीय इकाई	विद्यार्थी आदिकाल के विविध धाराओं से परिचित होंगे ।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग
तृतीय इकाई	भक्तिकाल का विस्तृत परिचय एवं प्रमुख कवियों के साहित्य के बारें ज्ञान प्राप्त करेंगें ।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग
चतुर्थ इकाई	रीतिकालीन साहित्य एवं प्रमुख कवियों के साहित्यिक योगदान की जानकारी हासिल करेंगें	स्मरण, अधिगम और प्रयोग

प्रथम इकाई : L-12, T-4 **अंक: 15**

- हिन्दी इतिहास लेखन परम्परा एवं पद्धतियाँ,
- काल विभाजन,
- आदिकाल की पृष्ठभूमि/ परिस्थितियाँ
- नामकरण की समस्या

द्वितीय इकाई : L-10, T-3 **अंक: 15**

- आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ,
- आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ – रासो, सिद्ध, जैन, नाथ, लौकिक साहित्य , अप्रभंश (संक्षिप्त परिचय)

- **अमीर खूसरो (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)**

तृतीय इकाई : L-23, T-4 **अंक: 20**

- **भक्ति आन्दोलन का उद्भव – विकास,**
- **स्वर्णयुग**
- **भक्तिकाल की परिस्थितियाँ**
- **निर्गुण काव्यधारा की पृष्ठभूमि**
- **ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी (प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ)**
- **सगुण काव्यधारा की पृष्ठभूमि**
- **रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति (प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ)**

चतुर्थ इकाई : L-21, T-3 **अंक: 20**

- **रीति शब्द का अर्थ**
- **रीतिकाल की परिस्थितियाँ**
- **रीति काल का नामकरण**
- **रीतिकालीन काव्य की प्रवृतियाँ**
- **रीतिकाल के प्रमुख काव्यधाराएं -रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त : प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ**

सहायक ग्रंथ:

1. **हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ नगेंद्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली ।**
2. **हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास-रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।**
3. **हिंदी साहित्य:युग और प्रवृत्तियाँ-शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन ।**
4. **हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली,**
5. **हिंदी साहित्य की भूमिका-हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन ।**
6. **हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।**

HINDI

MDC 101

पर्यटन और साहित्य

MD-T3-HIN-101 (L-2, P-0, T-1)

CREDIT- 3, Total Marks-60 (Th=42 +IA=18)

Unit No.	Course Outcome	Bloom's taxonomy level
प्रथम इकाई	पर्यटन के महत्व को जानना, पर्यटन के दृष्टि से महत्वपूर्ण देशों को जान पाएंगे; जिससे विद्यार्थियों को प्राचीन सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होगा।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग
द्वितीय इकाई	भारत तथा असम के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को जान पाएंगे एवं उसके महत्व को अनुधावन करने में सक्षम होंगे।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग
तृतीय इकाई	महान साहित्यकारों के जन्मस्थलों एवं कार्यस्थलों के बारें में जानकारी हासिल करेंगें।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग
चतुर्थ इकाई	महत्वपूर्ण पर्यटन-संबन्धित पत्र-पत्रिकाओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे और साथ ही पर्यटन-संबंधित यात्रा वृतांत से परिचित होंगे।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग

#इस पाठ्यक्रम से संबंधित शिक्षामूलक भ्रमण के द्वारा विद्यार्थियों को लाभान्वित कराया जा सकता हैं ।

प्रथम इकाई: L-8 , T-1 **अंक:** 10

- **पर्यटन का अर्थ, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व**
- **पर्यटन की दृष्टि से विश्व के महत्वपूर्ण देश (भारत, श्री लंका, वियतनाम, फ्रांस, सिंगापुर)**

द्वितीय इकाई : L-9, T-1 **अंक: 10**

- **भारत में पर्यटन के महत्वपूर्ण स्थल (कोणार्क, आग्रा, जम्मू-कश्मीर)**
- **असम के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल (काजिरंगा, शिवसागर, माजुली,)**

तृतीय इकाई : L-8, T-3 **अंक 12**

- **पर्यटन में चिन्हित साहित्यिक स्थल, जहां भारतीय एवं विशेषत: हिन्दी एवं असमिया साहित्य के निर्माताओं का कार्यस्थल रहे हैं (वाराणसी, इलाहाबाद, तेजपुर, बरदोवा)**

चतुर्थ इकाई : L-12, T-3 : **अंक 10**

- **पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित प्रमुख पत्र –पत्रिका (संक्षिप्त परिचय)**
- **पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित यात्रा-वृतांत (अज्ञेय, अरे यायावर रहेगा याद, अध्याय-माझुली)**

सहायक ग्रंथ:

1. **यात्रा साहित्य विधा : शास्त्र और इतिहास, बापू राव देसाई**
2. **पर्यटन सिद्धांत और प्रबंधन : शिवस्वरूप सहाय**
3. **भारत में पर्यटन : राजेश कुमार व्यास**

HINDI (DSE)

हिंदी सहित्य का परिचयात्मक इतिहास

MN-T5-HIN-101 (L-5, P-0, T-1)

CREDIT-5, Total Marks-100 (Th=70 +IA=30)

Unit No	Course Outcome	Bloom's taxonomy level
प्रथम इकाई	हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन का ज्ञान प्रदान करना I आदिकाल की प्रयोजनीयता तथा इतिहास के महत्व को जानना I आदिकाल के विविध धाराओं से परिचित कराना	स्मरण , अधिगमन और प्रयोग
द्वितीय इकाई	भक्तिकाल का परिचय तथा प्रमुख कवि एवं रचनाओं से परिचित होंगे I	स्मरण , अधिगमन और प्रयोग
तृतीय इकाई	रीतिकालीन साहित्य एवं प्रमुख कवियों के साहित्यिक योगदान की जानकारी प्राप्त करेंगे	स्मरण , अधिगमन और प्रयोग
चतुर्थ इकाई	आधुनिक काल का विस्तृत परिचय एवं विविध काव्यधाराएँ तथा प्रमुख कवियों के साहित्यिक योगदान की जानकारी प्राप्त करेंगे I	स्मरण , अधिगमन और प्रयोग

प्रथम इकाई: L-13, T-3 **अंक:** 15

- **हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन**
- **आदिकाल की परिस्थितियाँ**
- **आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ**
- **आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं का संक्षिप्त परिचय: रासो साहित्य ,सिध्द साहित्य,जैन साहित्य, नाथ साहित्य ,लौकिक और अपभ्रंश साहित्य ।**

द्वितीय इकाई: L-20, T-4 **अंक: 20**

- **भक्ति आंदोलन का उद्भव और विकास**
- **स्वर्णयुग**
- **भक्तिकाल की परिस्थितियाँ**

- **भक्तिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ**
- **निर्गुण काव्यधारा : ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी (प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ)**
- **सगुण काव्यधारा : प्रेमभक्ति एवं कृष्णभक्ति (प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ)**

तृतीय इकाई: L-17, T-4 **अंक: 15**

- **रीतिकाल की परिस्थितियाँ**
- **रीतिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ**
- **रीतिकाल की प्रमुख कव्यधाराएँ: रीतिवद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्यधारा ,रीतिसिद्ध काव्यधारा (प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ)**

चतुर्थ इकाई: : L-17, T-3 **अंक: 20**

- **आधुनिक काल की परिस्थितियाँ**
- **भारतेंदु युग : प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ**
- **द्विवेदी युग : प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ**
- **छायावाद युग : प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ**
- **प्रगतिवाद युग : प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ**
- **प्रयोगवाद युग : प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ**

सहायक ग्रंथ:

- **हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ नगेंद्र एवं हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली ।**
- **हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास-रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।**
- **हिंदी साहित्य:युग और प्रवृत्तियाँ-शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन ।**
- **हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली ।**

HINDI

कंप्यूटर अनुप्रयोग

SE-T1-HIN-101 (L-1)

Total Marks-40 (Th=28, IA=12)

Unit No.	Course Outcome	Bloom's taxonomy level
प्रथम इकाई	कंप्यूटर में हिंदी का आगमन और उसकी उपयोगिता के बारें में परिचय प्राप्त होगा ।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग
द्वितीय इकाई	कंप्यूटर में देवनागरी के प्रयोग की जानकारी एवं ईमेल, तथा ईमेल में देवनागरी लिपि के प्रयोग के बारें जानकारी हासिल करेंगे ।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग
तृतीय इकाई	कम्प्युटर में हिंदी प्रयोग की सुविधा और चुनौतियों से परिचित होंगे ।	स्मरण, अधिगम और प्रयोग

प्रथम इकाई : L-7, T-0 अंक**: 10**

- **कम्प्युटर और हिंदी**
- **कम्प्युटर में हिन्दी का आगमन**

द्वितीय इकाई : L-7, T-0 अंक**:10**

- **कम्प्युटर में देवनागरी का प्रयोग एवं उपयोगिता (वेबपेज, हिन्दी टंकण)**
- **ईमेल, देवनागरी लिपि में ईमेल का प्रयोग**

तृतीय इकाई : L-7, T-0 अंक**: 08**

- **कम्प्युटर में हिंदी का प्रयोग**
- **कम्प्युटर में हिंदी प्रयोग की सुविधा और चुनौतियां**

सहायक ग्रंथ:

1. **कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर अनुप्रयोग: निरंजन सहाय, राजकमल प्रकाशन ।**
2. **कम्प्युटर और हिन्दी - डॉ. हरिमोहन**

B.A. (HONOURS) HINDI

कंप्यूटर अनुप्रयोग

SE-T2-HIN-101 (P-2)

Total Marks-40 (P=35+ Viva-voce=5)

Unit No.	Course Outcome	Bloom's taxonomy level
प्रथम इकाई	विद्यार्थी कंप्यूटर पर देवनागरी लिपि में टंकण करना सीख सकेंगे, जो उन्हें आनेवाले दिनों में रोज़गार प्राप्ति में मदद करेगी।	शिक्षण और प्रयोग
द्वितीय इकाई	विद्यार्थी कंप्यूटर में हिंदी में वेव-पेज निर्माण सीखेंगे और आनेवाले दिनों तकनीकी क्षेत्र में इसे प्रयोग में ला पाएंगे।	शिक्षण और प्रयोग

प्रथम इकाई : P-15 **अंक**: 18

- **कम्प्युटर में देवनागरी लिपि टंकण।**

द्वितीय इकाई : P-15 **अंक**:17

- **हिंदी वेबपेज निर्माण, ब्लॉग लेखन।**